

CLASS : 10th (Secondary)

1967/1919

Series : Sec.M/2017

Total No. of Printed Pages : 7

MARKING INSTRUCTIONS AND MODEL ANSWERS

संगीत हिन्दुस्तानी (वादन)

**MUSIC HINDUSTANI (Instrumental
Percussion)**

तबला

TABLA

(Academic/Open)

(Only for Fresh Candidates)

उप परीक्षक मूल्यांकन निर्देशों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करके उत्तर.
पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें। यदि परीक्षार्थी ने प्रश्न पूर्ण व सही हल
किया है तो उसके पूर्ण अंक दें।

General Instructions :

- (i) Examiners are advised to go through the general as well as specific instructions before taking up evaluation of the answer-books.
- (ii) Instructions given in the marking scheme are to be followed strictly so that there may be uniformity in evaluation.
- (iii) Mistakes in the answers are to be underlined or encircled.

1967/1919

P. T. O.

- (iv) *Examiners need not hesitate in awarding full marks to the examinee if the answer/s is/are absolutely correct.*
- (v) *Examiners are requested to ensure that every answer is seriously and honestly gone through before it is awarded mark/s. It will ensure the authenticity as their evaluation and enhance the reputation of the Institution.*
- (vi) *A question having parts is to be evaluated and awarded partwise.*
- (vii) *If an examinee writes an acceptable answer which is not given in the marking scheme, he or she may be awarded marks only after consultation with the head-examiner.*
- (viii) *If an examinee attempts an extra question, that answer deserving higher award should be retained and the other scored out.*
- (ix) *Word limit wherever prescribed, if violated upto 10%. On both sides, may be ignored. If the violation exceeds 10%, 1 mark may be deducted.*
- (x) *Head-examiners will approve the standard of marking of the examiners under them only after ensuring the non-violation of the instructions given in the marking scheme.*

- (xi) *Head-examiners and examiners are once again requested and advised to ensure the authenticity of their evaluation by going through the answers seriously, sincerely and honestly. The advice, if not heeded to, will bring a bad name to them and the Institution.*
-

महत्त्वपूर्ण निर्देश :

- (i) अंक-योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिन्दु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।
- (ii) शुद्ध, सार्थक एवं सटीक उत्तरों को यथायोग्य अधिमान दिए जाएँ।
- (iii) परीक्षार्थी द्वारा अपेक्षा के अनुरूप सही उत्तर लिखने पर उसे पूर्णांक दिए जाएँ।
- (iv) वर्तनीगत अशुद्धियों एवं विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर प्रोत्साहित न करें।
- (v) भाषा-क्षमता एवं अभिव्यक्ति-कौशल पर ध्यान दिया जाए।

(vi) मुख्य-परीक्षकों/उप-परीक्षकों को उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए केवल Marking Instructions/Guidelines दी जा रही हैं, यदि मूल्यांकन निर्देश में किसी प्रकार की त्रुटि हो, प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, मूल्यांकन निर्देश में दिए गए उत्तर से अलग कोई और भी उत्तर सही हो तो परीक्षक, मुख्य-परीक्षक से विचार-विमर्श करके उस प्रश्न का मूल्यांकन अपने विवेक अनुसार करें।

नोट : (i) प्रश्नों के उत्तर सही देने पर पूरे अंक दें।

(ii) अंतिम प्रश्न में आंतरिक छूट दी गई है।

- | | |
|-----------------------------|---------------------------------|
| 1. बद्धी | 1 |
| 2. लहरा | 1 |
| 3. (क) सम | 1 |
| 4. (घ) स — — — | 1 |
| 5. सम — — — X | |
| खाली — — — 0 | $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ |
| 6. भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति | |

मन्द्र स्वर : स्वर के नीचे बिन्दु यथा म प ध

तार स्वर : स्वर के ऊपर बिंदु यथा सं रें गं $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$

7. तिहाई : किसी टुकड़े के बोलों को एक प्रकार से, तीन बार बजाकर सम पर आना तिहाई कहलाता है। 1
8. अंकानुसार सही उत्तर देने पर पूरे अंक दें। 2
9. तबले के विभिन्न अंग हैं यथा :

तबला, पूड़ी, स्याही, चाँटी, मैदान, गजरा, गट्टे, बद्दी, मुंडरी आदि उपरोक्त में से किन्हीं चार का संक्षिप्त वर्णन करने पर पूरे अंक दें। $\frac{1}{2} \times 4 = 2$

10. पलुस्कर स्वर लिपि पद्धति :

आधी मात्रा का चिह्न — स रे

एक मात्रा का चिह्न — स रे

दो मात्रा का चिह्न — स रे

तीन मात्रा का चिह्न — स रे $\frac{1}{2} \times 4 = 2$
 $\frac{1}{3} \quad \frac{1}{3}$

11. **ठेका** : किसी ताल के एक आवर्तन के बोलों के समूह को, जो ताल वाद्यों पर बजाये जाते हैं ठेका कहलाता है। तथा किसी भी ताल का ठेका लिखने पर पूरे अंक दिये जाये। $1 + 1 = 2$

12. संगीत रत्नाकर : लेखक — पं० शारंग देव

पद्धति : उत्तरी व दक्षिणी दोनों संगीत पद्धतियाँ इसे अपना आधार ग्रंथ मानती हैं।

विषय वस्तु : इस ग्रंथ में सात अध्याय हैं। — स्वराध्याय, तालाध्याय, वाद्याध्याय, नर्तनाध्याय, राग विवेकाध्याय, प्रकीर्णाध्याय, प्रबंधाध्याय।

उपरोक्त विषय वस्तु का वर्णन करने पर पूरे 3 अंक दिये जाये।

$$1 + 1 + 3 = 5$$

अथवा

नाट्यशास्त्र :

विद्या — नाट्य विधा पर

अध्याय : 6 अध्याय

(7)

1967/1919

श्रुति स्वर : 22 श्रुतियों सात शुद्ध स्वरों, दो विकृत स्वरों की जानकारी देने पर तथा 22 श्रुतियों पर 7 शुद्ध एवं 2 विकृत स्वरों की स्थापवना को क्रम से प्रदर्शित करने पर पूरे अंक दिये जायें।

$$1 + 1 + 3 = 5$$



1967/1919